केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा बारहवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरे

विषय Subject : HINDI CORE (302)

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : MONDAY (19.03.2012)

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : HINDI CORE

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाए
Write Code No . as written on the top of the Question paper : 2/2

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No . of supplementary answer -book(s) used

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाऐं।
If physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C

B = दृष्टिहीन, *D* = मूक एवं बधिर, *H* = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक, C = डिस्लेक्सिक
B= Blind, D=Deaf & Dumb, H=Physically Handicapped, S=Spastic, C=Dyslexic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हां / नहीं
Whether writer provided : Yes / No NO

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।
Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

खण्ड - ग

14. उ०
(क) 'मुअ

(ख) भूषण यशोधर बाबू का पुत्र था। ड्रेसिंग गाउन पहनते समय भूषण ने यशोधर बाबू को यह कहा कि आप ड्रेसिंग गाउन पहनकर ही दूध लाने जाया कीजिए। यशोधर बाबू को यह बात बुरी लगी कि उनके बेटे ने उनसे ये नहीं कहा कि पापा आप घर में ही आराम कीजिए, मैं दूध लेने रोज चला जाया करूँगा।

(क) 'मुअनजोदड़ो' सिंधु घाटी के तट पर स्थित है। यह एक प्राचीन नगर है।
अपितु यह एक प्राचीन नगर है किन्तु इसकी नगर शैली, को देख कर यह नहीं कहा जा सकता है कि यह प्राचीन है। इस नगर में स्थित स्नानागार, कुँओं, जल निकासी की व्यवस्था एवं पुरातत्व चिह्नों के कारण ये नगर अत्यंत प्रसिद्ध था।

13. उ→

(ख) 'जूझ' कहानी के लेखक का नाम आनंदा था। लेखक की काव्य रुचि बढ़ाने में उसके अध्यापक का अहम योगदान था। पहले लेखक यह सोचता था कि कविता रचने वाले इस दुनिया के नहीं होते हैं। परन्तु अपने अध्यापक की अध्यापन शैली को देखकर लेखक को यह विश्वास हो गया कि कविता गढ़ने वाला भी एक मनुष्य होता है। उसके अध्यापक मराठी भाषी थे। वे अपनी कविताओं को इतनी सुंदर, गेय शैली में समझाते थे कि विद्यार्थियों को उनकी कविता में रुचि हो जाती थी और वे लोग भी स्वयं कविता रचने की कोशिश करने लगते थे। लेखक अब स्वयं कविता रचते और त्रुटि सुधारने के लिए अध्यापक के पास जाते थे। इस प्रकार कविता-रचने में लेखक की रुचि बढ़ी।

(ग) सिंधु सभ्यता की खुदाई के दौरान वहाँ मिले वस्तुओं से यह पता चलता है कि यह राज पोषित या धर्म पोषित न होकर समाज पोषित था। यहाँ मिले पुरातत्व के चिह्न इस बात की चीख-चीख के

गवाही दे रहे हैं। यहाँ पर किसी राजा या धार्मिक लोगों का वर्चस्व नहीं था। खुदाई के दौरान यहाँ पर ताँबा, पीतल, काँसिल, खेतीहर औजार, इत्यादि मिले परन्तु राजपरिवार की कोई सामग्री नहीं मिली। सिंधु घाटी सभ्यता में बनाये गए स्नानागार, धर्मशालाएँ, अन्नागार एवं जल-निकासी की व्यवस्था इसकी सुंदरता को बयाँ करते हैं जिसको देखरेख समाज के लोग एकजुट होकर करते होंगे। अतः इस कारण लेखक ने इसे लो-प्रोफाइल सभ्यता भी कहा है क्योंकि इसमें राजा का कोई वर्चस्व न था।

12. 'सिल्वर वेडिंग' कहानी के प्रमुख पात्र यशोधर बाबू हैं। वे वर्तमान में जी रहे हैं किन्तु अतीत को अपना आदर्श मानते हैं। इसकारण उन्हें संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत करना पड़ता है। वे अपने परिवार के लोगों के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं। वे हर जगह जुमले के रूप में 'समहाउ इंप्रापर' का उपयोग करते हैं। अतीत के आदर्शों को मानने के कारण उनके व्यवहार में अनेक विरोधाभास दिखाई पड़ते हैं :-

(i) वे सिल्वर बैंडिंग की परंपरा को न मानते हुए भी अपने सहकर्मियों की खुशी के लिए एक छोटी सी चाय की पार्टी अपने कार्यालय में देते हैं। यह उनके सिद्धांतों के विरुद्ध था परन्तु तब भी वर्तमान में कुछ सिद्धांतों को मारना पड़ा उन्हें।

(ii) वे अपने बेटों की तरक्की से बहुत खुश हैं परन्तु उनके व्यवहार में अपने प्रति नीरसता को देखकर उन्हें बहुत दुख होता है। वे यह चाहते हैं कि उनके बेटे ब वर्तमान की चीजों को ग्रहण करें परन्तु अतीत के आदर्शों की उपेक्षा किये बिना।

(iii) उनके बड़े बेटे की मासिक आमदनी शुरू से ही पंद्रह सौ रुपये थी। उन्हें यह बात समझ से परे लगती है क्योंकि उनके जमाने में 1500 रुपये तो रिटायरमेंट के वक्त मिलती है। वे यह बात मानने को बिल्कुल तैयार नहीं थे।

अतः उपर्युक्त उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि यशोधर बाबू के व्यवहार में विरोधा-

भास की स्थिति थी।

10.(क) चार्ली चैप्लिन के भारतीयकरण से तात्पर्य उनके द्वारा किए गए शानदार अभिनयों का भारतीयों के द्वारा पूर्णतः अनुकरण करना। उनका भारतीयकरण श्री राजकपूर जी को कहा है। चार्ली चैप्लिन अपने अभिनय के माध्यम से समाज में फैली बुराइयों की ओर इंगित करते थे। ठीक वैसा ही काम, श्री राजकपूर जी ने भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में किया है। श्री 420, मेरा नाम जोकर, आवारा आदि उनकी फिल्में चार्ली चैप्लिन के अभिनय से प्रेरित थी।

(ख) भीमराव अंबेडकर के अनुसार दासता केवल किसी देश की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है बल्कि गरीबों और शोषित वर्ग के द्वारा अपनी इच्छाओं को मार कर किसी व्यक्ति के अधीन कार्य करना भी दासता है। अमीर वर्गों द्वारा गरीब एवं शोषित वर्गों का भरपूर शोषण दासता की श्रेणी में आता है। हर वक्त जाति-प्रथा के नाम पर पिछड़ी जातियों को उठने का मौका नहीं दिया

जाता है और लोगों को जबरदस्ती पैतृक पेशे को अपनाना पड़ता है, यह दासता है।

(घ) नमक की पुड़िया को लेकर सफिया के मन में द्वन्द्व था कि क्या कस्टम अधिकारी उसे नमक की पुड़िया भारत ले जाने देंगे? क्या वह सिकन्दर बीबी की इच्छा पूरी कर पाएगी?

सफिया के भाई ने उसे नमक ले जाने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि सफिया का भाई एक पुलिस अधिकारी था। अगर सफिया पकड़ा गई तो उसकी बदनामी हो जाएगी।

(ङ) बाजार में आई नई-नई वस्तुओं को देखकर उसके प्रति आकर्षित हो जाना और उसे तुरंत पाने की चाह बाजार का जादू है।

बाजार का जादू चढ़ने पर निम्न प्रभाव पड़ता है:-

(i) वह फिजूलखर्ची करता है।
(ii) अनावश्यक वस्तुएँ खरीदता है।

(iii) धन और समय की बरबादी करता है।

बाजार के जादू उतरने का निम्नलिखित प्रभाव पड़ता है।

(i) उसका बजट बिगड़ जाता है।

(ii) फिजूलखर्ची करने के कारण पछताता है।

(iii) अब वह आवश्यक वस्तुएँ ही खरीदता है।

11.

(क). शिरीष के फूल एक अवधूत की भाँति रहते हैं। उसकी इसी विशेषता के कारण लेखक को यह सब कहना पड़ा। चाहे किसी भी प्रकार का मौसम हो, शिरीष के फूल हर मौसम का डट कर सामना करते हैं।

(ख) मूरख उन्हें कहा गया है जो सोचते हैं कि हम जहाँ बने हैं वहीं बने रहें। ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि संसार में कोई भी चीज अस्थायी नहीं हो सकती। विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार चलना पड़ता है।

(ग). महाकाल के सपासप कोड़े चलाने का आशय है कि एक के बाद एक दुरंत कठिनाईयों का सामना होना।

इसके प्रभाव देखे गए कि जो कठिनाईयों से डरते हैं वे जी नहीं पाते और जो थोड़े कठोर हैं, वे इन सभी कठिनाईयों को झेल लेते हैं।

(घ). प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि संसार में कोई भी वस्तु स्थायी नहीं है। हमारा जीवन संघर्षों से भरा है। जो व्यक्ति संघर्षों का डटकर सामना करता है वो बच जाता है और जो संघर्षों से सामना नहीं कर पाता वो इस कठिन दुनिया को झेल नहीं पाता।

9.

(ख) यह बात गलत है कि समाज के गरीब और शोषित वर्गों का उपहास उड़ाया जाए। कवि का खेद अत्यंत ही दुखदायी है क्योंकि किसी भी आदमी की मजबूरियों का फायदा उठाकर अपना लाभ कमाना थोड़ा-सा भी सही नहीं है। एक तरफ तो वे दूरदर्शन पर आदमी को रोता दिखाकर लोगों की सहानुभूति पाते हैं तो दूसरी ओर उनके पास समय की कीमत है। वे हर वक्त ये नहीं दिखा सकते हैं क्योंकि इससे

उनको कोई लाभ नहीं होगा।

(ग) भाषा को सहूलियत से बरतने से कवि का आशय भाषा की सहजता और सरलता से है।
ऐसा न करने से यह परिणाम हो सकता है कि भाषा जटिल हो जाए और व्यक्तियों के लिए यह समझना कठिन हो सकता है और जो वक्ता है उसके लिए भी कोई फायदा नहीं है क्योंकि वो जो बताना चाह रहा है, वह दूसरा व्यक्ति समझ नहीं पा रहा है।

8.
(क) दिन ढलते समय पक्षियों की द्रुत गति का कारण कवि यह मानता है कि उनके बच्चे भूखे होंगे और उनकी राह तक रहे होंगे।

(ख) आदमी को घर लौटने की खास जल्दी इसलिए नहीं दिखाई पड़ती है क्योंकि वह मानता है कि उसका कोई इंतजार नहीं कर रहा होगा शायद उसके पहुँचने से किसी को खुशी न हो।

(ग) बच्चों की 'प्रत्याशा' हो सकती है कि वे अपने माँ-बाप से जल्दी से जल्दी मिल सकें और वे सुरक्षित हों। व्याकुल होकर वे अपने घोंसलों से झाँक रहे होंगे।

(घ) प्रस्तुत पंक्तियों का यह भाव है कि वे कवि यह सोच रहे होंगे कि उनकी कोई प्रतीक्षा कर रहा होगा, इस सोच से उनकी चाल धीमी पड़ गई और उनके हृदय में विचलन होने लगा।

7.

(क) उषा का जादू यह है कि ऐसा प्रतीत होता है मानों नीले जल में कोई गौर झिलमिल देह हिल रही हो। उषा का जादू इसलिए हुआ है क्योंकि अब सूर्योदय हो रहा है।

(ख) काव्यांश का बिंब काल्पनिक है और इसका मानवीकरण किया गया है। अपनी कल्पना शक्ति के माध्यम से कवि ने उषा काल के समय को मानवीकृत किया है।

जैसे नदियों में गोरे झिलमिल देह का हिलना इत्यादि।

(ग) काव्यांश की भाषा सुन्दर, सरल, एवं सहज है। बिंबों का प्रयोग काफी सुंदर है। कविता का मानवीकरण किया गया है।

खण्ड - ख'

5. (क) (i) जनसंचार वैसा माध्यम है जिसकी सहायता से लोगों तक समाचार पहुँचाया जाता है।

(ii) टी.वी. लोकप्रिय माध्यम इसलिए है क्योंकि इसमें समाचारों सुनने के साथ-साथ घटनाओं को देखा जा सकता है घर बैठे हुए।

(ii) रेडियो के समाचारों की भाषा वैसी होनी चाहिए :-
(क) जिससे समाचार हर वर्ग को समझ में आ जाय।
(ख) सरल, सहज एवं लोकप्रिय भाषा का प्रयोग होना चाहिए।

(iv) गोवा में 1559 ई. को।

(v) स्तंभ-लेखन से तात्पर्य है कि लेखों को उनकी लोकप्रियता और रचने के वर्षों के आधार पर एक स्तंभ में ऊपर से नीचे लिखना।

उ.
(ख)

विश्व में भारत की प्रतिष्ठा

भारत एक महान देश है। यह एक विकासशील देश है परन्तु पूरे विश्व में इसका बोलबाला है। यह सभी संसाधनों से परिपूर्ण देश है। यह एक खेतीहर देश है जिसके किसान बहुत मेहनती होते हैं।

विश्व में इसका काफी गुणगान गाया जाता है। प्राचीन काल में इसे सोने की चिड़िया कहा जाता था परन्तु इसी सोने की चिड़िया को कई देशों ने लूट लिया। ब्रिटेन ने तो हद ही कर दी, 200 सालों तक हमारे देश को गुलाम रखा। परन्तु आज के समय में भारत ने काफी तरक्की कर ली है। भारत के लोग भी तेजी के साथ जीना सीख रहे हैं। हर क्षेत्र में चाहे वो शिक्षा हो, मानव संसाधन हो, विज्ञान हो

या चाहे खेलकूद, सारे चीजों में निपुणता हासिल कर ली। हमारे देश में ही महात्मा गाँधी, स्वामी विवेकानन्द, अबुल कलाम आजाद, सचिन तेंडुलकर, अमिताभ बच्चन आदि महान इंसानों का जन्म हुआ, जिनकी योग्यता का पूरा विश्व कायल है। हाल ही में, महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में महाशतक जड़ा जो एक भारतीय है। परमाणु रिसर्च में ए॰ पी॰ जे॰ अबुल कलाम आजाद के योगदान को भी कोई भूल नहीं सकता है।

आज हमारे देश की पूरे विश्व में वही प्रतिष्ठा वापस बन चुकी है जो आज से ८५० वर्ष पहले थी। आज भारत विकसित देश बनने के कगार पर सबसे आगे है। "यह देश सदा गौरवान्वित रहेगा।

4.

सेवा में,
श्रीमान् संपादक महोदय,
प्रभात खबर,
धनबाद।

प्रेषक :-
नाम → कुमार विपुल
पता → कतरास बाजार

दिनांक :- 19-03-2012.

[विषय : लिंग अनुपात में कमी आने के संबंध में,]

महाशय,

मैं आपके अखबार के माध्यम से यह बतलाना चाहता हूँ कि 2001 की जनगणना के अनुपात में 2011 में हुई जनगणना में लिंग-अनुपात में भारी गिरावट आई है। पहले यहाँ पुरुष 53% और महिलाएँ 47% थी पर यह घटकर 60-40 % का हो गया है।

इसका सबसे बड़ा कारण भ्रूण हत्या हैं। लड़कियों को समाज में अभिशाप की दृष्टि से देखा जाता हैं उन्हें उपेक्षित समझा जाता हैं।

इस लिंग अनुपात को कम करने का एक ही उपाय है कि भ्रूण हत्या पर रोक लग जाए और लड़के-लड़कियों के बीच के अंतर को रोकना होगा।

सधन्यवाद

आपका विश्वासी
कुमार विपुल

(ख)

'गरीब व्यक्तियों में चिकित्सा
सुविधाओं का अभाव'

समाज में हर तबके के लोग रहते हैं। कोई गरीब रहता है, कोई साधारण तो कोई अमीर होता हैं। परन्तु लगता है इस देश की सरकार को गरीबों से कोई मतलब नहीं हैं। वे सिर्फ वायदे करते हैं कि गरीबों को हर तरह की सुविधायें दी जायेगी परन्तु सरकारी अस्पतालों

से वे सभी सुविधाएँ नदारद रहती हैं। चिकित्सक लोगों को भी गरीब व्यक्तियों पर दया नहीं आती। वे शपथ के समय दिए गए भाषणों को भूल जाते हैं। सरकारी अस्पतालों में न तो एंबुलेंस की सेवा रहती है और न ही मरीजों के दवाईयों की। चिकित्सक तो उन्हें देख लेते हैं और मँहगी-मँहगी दवाईयाँ लिख देते हैं परन्तु पैसे नहीं होने की विवशता में वे दवा नहीं खरीद पाते और उनकी मृत्यु हो जाती है। अतः सरकार को जल्द से जल्द इस सिलसिले पर कदम उठाना चाहिए और गरीबों को चिकित्सा सुविधायें मुहैया कराई जानी चाहिए।

6.

'मेरा आदर्श'

कहते हैं कि दुनिया में अगर किसी ने जन्म लिया है तो कुछ न कुछ करने के लिए। यह कुछ करने की प्रेरणा मनुष्य को एक आदर्श व्यक्ति से मिलती है। मैं भी एक साधारण मनुष्य हूँ परन्तु मेरे अंदर कुछ करने की जिजीविषा पैदा करने वाले का नाम है-

महान वैज्ञानिक डॉ॰ ए॰ पी॰ जे॰ अबुल कलाम आजाद। वे एक कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार व्यक्ति हैं। वे भारत के पहले वैज्ञानिक है जिन्होंने परमाणु परीक्षण किया था। उनमें गजब का आत्मविश्वास हैं। इसी उपलब्धि के कारण वे भारत के राष्ट्रपति भी बने और कई अनेक फैसले लेकर भारत को प्रगति की राह पर चलना सिखाया। उनमें एक बात बहुत अच्छी है कि वे एक जिज्ञासु वैज्ञानिक हैं और उनमें सीखने की ललक खत्म नहीं होती। आज भी उनकी वे पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। मैं भी उनसे एक बार मिलना चाहता हूँ और विज्ञान की बारिकियों को सीखना चाहता हूँ। वे मेरे आदर्श है।

खण्ड - क

(क) नीत्शे एक विचारक था जो स्वामी विवेकानंद के समकालीन था। उसने यह घोषणा की थी कि ईश्वर मर चुका है।

(ख) उसने यह सोचा कि मानवीय प्रवृत्तियों को संचालित करने में विज्ञान और बौद्धिकता भूमिका निभाते हैं।

(ग) स्वामी जी ने माना कि ईश्वर की सेवा का वास्तविक अर्थ

गरीबों की सेवा से है। इसका यह आशय था कि गरीबों की सहायता कर ईश्वर को पाया जा सकता है।

(घ) संसार के उच्चतर मूल्यों को पाना या मोक्ष प्राप्ति की कामना।

(ङ) 'दरिद्र नारायण' से आशय है कि ईश्वर का निवास निर्धन-दरिद्र-असहाय लोगों में होता है। इससे लोगों में यह भावना जाग्रत हुई कि ईश्वर की सेवा का अर्थ दीन-हीन प्राणियों की सेवा है।

(च) स्वामी विवेकानंद ने इस बात पर बल दिया कि सभी धर्म गरीबों की सेवा करे और समाज के पिछड़े लोगों को अज्ञान, दरिद्रता और रोगों से मुक्त करने के उपाय करें क्योंकि तभी ईश्वर की सच्ची सेवा की जा सकती है।

(छ) आपसी भेदभाव मिटाने के लिए स्त्री-पुरुष, जाति-संप्रदाय, मत-मतांतर या पेशे-व्यवसाय से भेद नहीं करना चाहिए।

(ब) ईश्वर : एक दरिद्र नारायण

(स) निर्धनता
उपसर्ग → निर्
प्रत्यय → ता

(अ) स्वामी जी के अनुसार ईश्वर सेवा का वास्तविक अर्थ गरीबों की सेवा है।

1.

(क) आतंकी विस्फोटों के कारण समूची हरियाली धुआँ बन ~~सकती~~ जाती है। लोग मारे जा सकते हैं और अंधे-बहरे हो ~~सकते~~ जाते हैं। चारों तरफ मातम हो ~~सकता~~ जाता है।

(ख) आतंकवादियों को ये पसंद नहीं कि फूल खिलें, तितलियाँ उड़ें, कोकिल की कुहू हो, हिरन दौड़ें और चारों तरफ हरियाली रहे।

(ग) इस पंक्ति का आशय है कि आतंकवादियों को केवल आतंक ही पसंद है। कोई आदमी शांत रहे, ये उनसे बर्दाश्त ही

नहीं होता। वे हमेशा अपने जैसे आतंक फैलाने वाले व्यक्तियों की तलाश में रहते हैं।

(घ) यह कहकर कवि यह अपेक्षा करता है कि शायद आतंकवादी सुधर जाए और उनमें भी अमन-चैन से रहने के भाव जाग्रत हो जाए और पुनः हरियाली हो जाए।

(ङ) वसंत ऋतु का समय सबसे सुहावना रहता है। वृक्षों पर नए-नए हरे जगमगाते पत्ते उग जाते हैं। फूल खिल उठते हैं, भौंरे गूँजने लगते हैं, मंजरियों का महोत्सव शुरू हो जाता है। कोयल की कुहू की आवाजें सुनकर मन प्रसन्न हो जाता है और हिरन भी खुशी में दौड़ने लगते हैं।